

(d) why this organisation is not placed directly under the Chief Vigilance Commissioner with full protection of their Confidential Reports, promotion, etc. controlled by him, to make it an effective and purposeful organisation?

(b) No. All the officers in the Railway, Vigilance Organisations are independent of other Heads of Department in regard to Vigilance work. They have been and are also working freely and fearlessly in this regard.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Vigilance Organisation, on the Zonal Railways as part of the Management, functions under the overall supervision of the General Manager.

(c) The number of cases in which departmental inquiries were held and the number of employees punished in such Vigilance/SPE cases during the last three years, is as under:

	1974-75		1975-76		1976-77	
	Cases in which departmental enquiries were held	Employees punished in each cases	Cases in which departmental enquiries were held	Employees punished in such cases	Cases in which departmental enquiries were held	Employees punished in such cases
Gaz.	151	36	172	68	209	76
Non. Gaz.	2912	1351	3249	1958	3301	2409

(d) Vigilance Organisation, being part of the management has to remain under the overall supervision of the General Manager of the Zonal Railways.

तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं, श्रीर

(ख) क्या वह इन रेल लाइनों के निर्माण को प्राथमिकता देगे क्योंकि ये लाइने सबसे अधिक पिछड़े क्षेत्र में हैं।

फर्रुखाबाद—मैलानी

7811 श्री टी० एस० नेगी :

श्री नुरेन्द्र विक्रम : !

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जाह्नपुर-होकर फर्रुखाबाद में मैलानी तक और शाहजहाँपुर-होकर फर्रुखाबाद में गौना गोंकरनाथ तक रेल लाइनों के निर्माण के लिए कोई सर्वेक्षण किया गया था और क्या गोरखपुर स्थित उत्तर-पूर्व रेलवे के बड़ी लाइनों के निर्माण के चीफ इंजीनियर ने 12 अक्टूबर, 1977 को उक्त सर्वेक्षण का अंतिम प्रतिवेदन उनको भेजा था और यदि हाँ, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई है

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख) जी हा, सर्वेक्षण रिपोर्ट की विस्तृत जांच की जा रही है सर्वेक्षण रिपोर्ट की पूर्णरूपेण जांच पडताल कर लेने बाद परियोजना पर आगे विचार किया जायेगा। देश के पिछड़े क्षेत्रों में नयी लाइनों के निर्माण के लिए धन की उपलब्धता को देखते हुए निर्णय लिया जायेगा।

जबलपुर से गई दिल्ली तक कुमुब एक्सप्रेस चालू करने का प्रस्ताव

7182. श्री नर्मदा प्रसाद राय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जबलपुर से नई दिल्ली तक कुतुब एक्सप्रेस चालू करने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है,!

(ख) क्या यह सच है कि हम गाडी का मार्ग तय कर लिया गया है; और

(ग) यदि नहीं, तो उमका वह वर्तमान मार्ग कौन सा है जिसे नय किया गया है ?

रेल मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री शिव-नारायण) : (क) मे (ग) 149/150 हजरत निजामुद्दीन-भागरा छावनी कुतुब एक्सप्रेस का शासी, हरपानपुर, मानिकपुर, सतमा और कटनी के रास्ते जबलपुर तक विस्तार के मन्ध मे निणय हो चुका है। मई, 1978 की किसी तारीख से यह गाडी जबलपुर तक बढ़ा दी जायेगी।

Modernisation of Railway Workshops

7183 SHRI M RAM GOPAL REDDY Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether there is a proposal with the Government to modernise railway workshops, and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) (a) Yes

(b) The objective of Workshop Modernisation Project is to improve performance and availability of rolling stock and reduce cost of its manufacture and maintenance. In the past it has not been possible to undertake timely replacement of Machinery and Plant within the limited resources at the disposal of Railways. This has resulted in 70 per cent of Machinery & Plant in Workshops and repair depots becoming overaged and rundown thus impairing manufacturing and maintenance ability of

the workshop complex Modernisation Project will extend over a period of 10 years and involve provision of—

- (i) Modern Machinery & Plant to replace old and antiquated machinery;
- (ii) Unit Exchange Assemblies for minimising maintenance downtime,
- (iii) Better material handling material;
- (iv) Metrological and testing equipments for better quality control, and
- (v) Improved layouts and rationalisation of workload

माइहार में 'साइडिंग' की संख्या

7184. श्री शरद यादव : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) मध्य रेलवे मे माल के लदान के लिए माइहार मे कितनी 'साइडिंग' है।

(ख) उन फर्मों के नाम क्या है जिनकी प्राइवेट 'साइडिंग' है, और

(ग) क्या किसी कंपनी ने रेलवे साइडिंग पर कब्जा कर लिया है और यदि हा, तो कब से ?

रेल मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) :

(क) तीन, जिनमे एक इमदादी साइडिंग भी शामिल है।

(ख) इस स्टेशन पर कोई प्राइवेट साइडिंग नहीं है, लेकिन मेसर्स मैहर सीमेन्ट के लिए इस प्रकार की एक साइडिंग निर्माधीन है। मेसर्स मैहर स्टोन लाइम कंपनी लिमिटेड के लिए भी एक इमदादी साइडिंग है।

(ग) जी नहीं।